शनिवार, मई 06, 2006

हिन्दुस्तान

रांची, पटना, दिल्ली और लखनऊ से प्रकाशित

राउरकेला

देश के आर्थिक विकास में आइआइपीएम की महत्वपूर्ण भूमिका : मिश्रा

- वर्ष 2007-08 से शुरू
गी एमबीए कोर्स की पढ़ाई

राउरकेला(निप्र)। देश के ार्थिक विकास में इंडियन स्टीच्यूट ऑफ प्रोडक्सन मैनेजमेंट आइआइपीएम) कांसबहाल की मिका महत्वपूर्ण है। इंस्टीच्यूट रिसर में आयोजित पत्रकार म्मेलन में एलएंड टी के वाइस सिडेंट ए पी मिश्रा ने उक्त बातें हीं। उन्होंने कहा कि ाइसीआइसीआइ, एल एंड टी और ड़ीसा सरकार के सौजन्य से ाइआइपीएम की वर्ष 1983 में ापना की गयी थी। आइआइपीएम ंजीनियरिंग और मैनेजमेंट के क्षेत्र में पने छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण देता जिससे उन्हें देश ही नहीं विदेशों भी नौकरी मिल जाती है। उन्होंने हा कि आज दुनिया के ९० देशों में ाइआइपीएम के छात्र काम करते । जिससे । कांसबहाल और उड़ीसा ों का दुनिया में नाम हो रहा है। न्होंने कहा कि आइआइपीएम में स्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (पीजीडीईएम) एक वर्ष में कराया जाता है। इसके आलावा छह माह में एडवांस डिप्लोमा मैनटीनेंस मैनेजमेंट और कंडीशन मोनिटरिंग कोर्स(एडीएमएम एंड सीएम) कराया जाता है। उन्होंने कहा कि आइआइपीएम छात्रों को सिर्फ डिग्री ही नहीं बल्कि गुणवत्ता देता है। जो उन्हें सौ प्रतिशत नौकरी मिलने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि आइआइपीएम में डीएलपी कोर्स शुरू हो गया है। जिसमें अबतक छह से अधिक छात्रों ने दाखिला कराया है। वर्ष 2007-08 से आईआईपीएम में एमबीए की भी पढ़ाई शुरू हो जायेगी। आइआइपीएम को एनआइटी राउरकेला से भी हमेशा सहयोग मिलता रहता है। जिस कारण यहां के छात्र एनआइटी में भी प्रक्षिशण प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के ९० देशों में आज आइआइपीएम के 1210 पास आउट छात्र काम कर रहे हैं। संस्थान अपने छात्रों को ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए भी ट्रेनिंग देता है। देश ही नहीं बल्कि विदेशों के भी कई बड़े बड़े संस्थानों में छात्रों को लेकर प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा देश-विदेश से प्रो. को बुला कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। जिससे छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि आइआइपीएम के बारे में देश के सभी बड़े बड़े उद्योग को जानकारी है। जिस कारण आइआइपीएम के छात्रों को इन संस्थानों में नौकरी तो मिल जाती है। परंतु इसके के बारे में स्थानीय लोगों को जानकारी नहीं है। इस पत्रकार सम्मेलन में आरएन पाल ने स्वागत भाषण देते हुए आइआइपीएम के बारे में जानकारी दी। इसके बाद मीहिर रंजन नायक ने संस्थान के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा श्री मिश्रा ने इसकी उल्लेखनीय सफलता के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर जे के श्रीबास्ताव ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

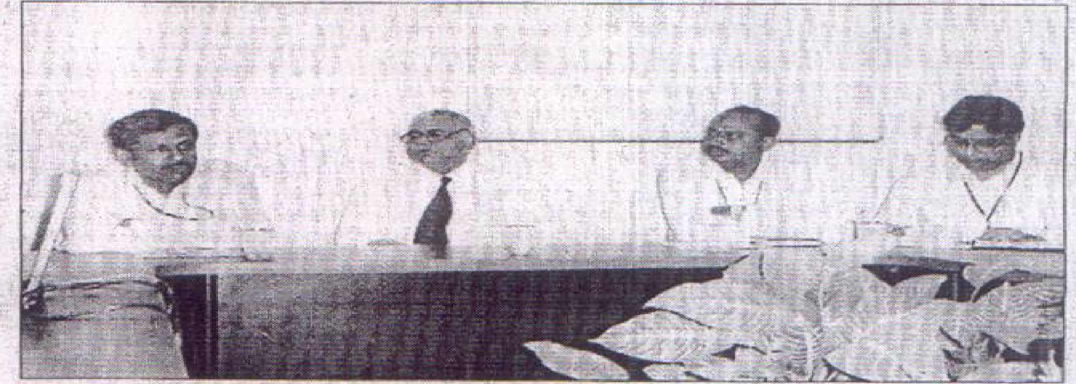

पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते आइआइपीएम के अधिकारी ।